प्रश्न पत्र – पंचम (हिंदी) PAPER – V (HINDI)

दिनांक: 28.02.2024 **पूर्णांक:100**
समय: 10.00 पू. से **12.00** अ. (2 घंटा) **उत्तीर्णांक:50**

निर्देश: 1. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं|** 2. **परीक्षा के दौरान मोबाइल / स्मार्ट फ़ोन के प्रयोग पूर्णतयः वर्जित है|**

==

प्रश्न 1: **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** **(1x10=10)**

मनुष्य के लिए भोजन एक सबसे महत्वपूर्ण विषय है। भोजन के लिए लोग न जाने क्याक्या करते हैं और न जाने कहाँ से -कहाँ तक चले जाते हैं, फिर भी हमारी दुनिया की एक बड़ी सच्चाई है कि रोज लगभग 70 करोड़ लोग भूखे रह जाते हैं, जिनमें से करीब 25 करोड़ लोग भुखमरी जैसी स्थिति में रहने को मज़बूर हैं। दुनिया में बहुत प्रयासों के बावजूद खाद्य असुरक्षा की समस्या बढ़ती चली जा रही है। जलवायु परिवर्तन, अत्यधिक बारिश या कम बारिश के कारण भी सामान्य खाद्यान्न उत्पादन पर गहरा असर पड़ रहा है। दुनिया में एक बड़े इलाके में स्थायी रूप से खेती प्रभावित होने लगी है। लोग खेती छोड़कर दूसरे व्यवसायों में लगने को मज़बूर हो रहे हैं और खेती करने वालों की संख्या घट रही है। कृषि उत्पादों की कीमत बढ़ रही है और लगे हाथ मंदी का दौर भी चल ही रहा है। तो कुल मिलकार दुनिया में यह एक बड़ी चिंता है कि आने वाले समय में वंचितों या भूखे लोगों का पेट कैसे भरा जाएगा? ऐसे में, 'ब्ल्यू फूड'की चर्चा दिनोंदिन तेज़ होती जा रही है। 'ब्ल्यू फूड'मतलब जलीय खाद्य पदार्थ। इसमें कोई शक नहीं कि हमें पानी से मिलने वाले खाद्य पदार्थों के बारे में पूरी जानकारी है, लेकिन हमने कभी इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि जलीय खाद्य पदार्थ क्षेत्र में कितनी संभावना है।

खाद्य आपूर्ति की हमारी योजनाओं में थल भाग या खेतों-वनों में पैदा होने वाले की ही बहुलता होती है। ये ब्ल्यू फूड कई खाद्य प्रणालियों का महत्वपूर्ण घटक है फिर भी खाद्य नीति बनाते समय इन पर बहुत कम ध्यान दिया गया है। हमें अपनी खाद्य नीति में जलीय खाद्य पदार्थों को भी शामिल करके खाद्य सुरक्षा का विस्तार करना चाहिए। भारत में ओडिशा या दक्षिण भारत के कुछ क्षेत्रों में दोपहर के भोजन में 'ब्ल्यू फूड'के ही एक प्रकार मछली का उपयोग शुरू हो रहा है, लेकिन इस कार्य को बड़े पैमाने पर उन तमाम क्षेत्रों में तो किया ही जा सकता है, जहाँ जलीय खाद्य पदार्थों की प्रचुर उपलब्धता है। जलीय खाद्य पदार्थ, मीठे पानी और समुद्री परिवेश से प्राप्त पशु, पौधे और शैवाल दुनिया में 3.2 अरब से भी अधिक लोगों को प्रोटीन की आपूर्ति करते हैं। दुनिया के कई तटीय, ग्रामीण समुदायों में यह पोषण का मुख्य आधार है। यह बात भी छिपी नहीं है कि जलक्षेत्र 80 करोड़ से अधिक लोगों की आजीविका का आधार है। लेकिन इतना विशाल क्षेत्र होने के बावजूद दुनिया में लोग भूखे सोने को मज़बूर हैं। पोषण का बड़ा अभाव है। हमें ज़मीन आधारित खाद्य प्रणालियों की सीमा और उसके खतरों को भी समझना चाहिए। गौर कीजिए, ये खाद्य प्रणालियाँ संपूर्ण ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में एक -चौथाई के लिए ज़िम्मेदार हैं। अतः जलीय खाद्यों को बढ़ावा देने के बारे में हमें गंभीरता से सोचना चाहिए। यह पौष्टिक आधा और टिकाऊर है। जिन देशों में जलीय खाद्य की संभावना ज़्यादा है, उन देशों को अपने यहाँ भोजन स्रोत में परिवर्तन पहले करना चाहिए। इस दिशा में प्रयास तेज़ होने चाहिए। एक सभ्य दुनिया में भोजन से जुड़े नैतिक दबावों के बजाय ज़्यादा ज़रूरी यह है कि किसी भी इनसान को भूखे न सोना पड़े।

(i) प्रस्तुत गद्यांश का शीर्षक क्या हो सकता है?
(ii) उपरोक्त गद्यांश के आधार पर बताइए कि खाद्यान्न कम क्यों हो रहा है ?
(iii) दिनोंदिन बढ़ती खाद्य समस्या से कैसे निपटा जा सकता है ?
(iv) जलीय खाद्य पदार्थ से क्या अभिप्राय है ?
(v) हमारी खाद्य आपूर्ति की योजनाओं में किन उत्पादों पर विचार नहीं किया जाता ?
(vi) पूर्वी या दक्षिण भारतीय राज्यों में 'ब्ल्यू फूड'के रूप में कौन-सा फूड खाया जाता है ?
(vii) दुनिया के कई तटीय और ग्रामीण समुदायों में भोजन का मुख्य आधार है ?
(viii) ज़मीन आधारित खाद्य प्रणालियाँ ज़िम्मेदार हैं ?
(ix) अपने भोजन-स्रोत में किन देशों को पहले परिवर्तन करना चाहिए ?
(x) 'आजीविका' शब्द का अर्थ गद्यांश के आधार पर है ?

प्रश्न 2: **निम्नलिखित गद्यांश का अंग्रेज़ी से हिंदी में अनुवाद करें।** **(15)**

Now is the time for youth to enter active politics because our politics has become old and it cannot meet the expectation of our country. The youth will now have to be ready to curb corruption. The youth have to become responsible citizens. Most of the educated youth maintain distance from politics, but if you want to pluck a lotus, you will have to get into the mud. Similarly, it is not possible to purify politics without coming into politics.

Therefore, I want the youth to enter politics. Only then will the country's resources be properly utilized and only then can the exploited and deprived classes get their rights.

Therefore, today's youth should understand their responsibilities and do any work in the interest of society and country instead of personal gain. Family makes society and society makes country. It pains me to see the indifference of today's young generation towards their family. Parents try their best to provide all the comforts and facilities to their children even with limited resources, but today's young generation is not able to bear the burden of parenting. It is a matter of great shame that we young people leave someone who has decorated our world in an old age home. Some of their basic needs are not even fulfilled and if a youth cannot do even this much then it is a matter of shame for the young generation.

Therefore, our youth have to be made sensitive and responsible towards their families. I think it is a matter of great shame to build an old age home while the young generation is still alive. It is a social responsibility to raise voice against the injustice happening in the society. That is, the concept of a healthy society can be fulfilled only when every young person honestly fulfills his small responsibilities towards his family, society and country.

प्रश्न 3: **निम्नलिखित गद्यांश का हिंदी से अंग्रेज़ी में अनुवाद करें।** **(15)**

एक युवा अपनी जोश और ताकत से पूरी तरह ओत-प्रोत होता है। युवा पीढ़ी किसी भी समाज और देश की रीढ़ की हड्डी होती है। किसी भी देश के युवा ही उस देश का भविष्य तय करते हैं। इसकी बानगी हम स्वाधीनता संग्राम में देख चुके हैं। युवा की सबसे बढ़ी खासियत है कि वह फौलादी जिगर दृढ़ इच्छा शक्ति जोखिम लेने की क्षमता, और कुछ नया करने की ललक रखते हैं। जब युवाओं की बात हो तो भला स्वामी विवेकानंद को कौन भूल सकता है, जो आज भी दुनिया के लाखों युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि युवा ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। युवाओं को अवसर दिए बिना कोई भी देश प्रगति नहीं कर सकता है। आज भारत को हम सबसे युवा देश कह सकते हैं, वह इसलिए नहीं कि देश अभी-अभी आजाद हुआ है बल्कि इसलिए क्योंकि इस समय भारत में युवा वर्ग की जनसंख्या पूर विश्व के देशों से अधिक है।

युवा की विशेषता यही है कि उसके काम में तेजी, फुरती, और एक नया जोश है, उसमें ऊर्जा की भरमार है। पर हाँ, यह नहीं कि युवाओं से बड़े, जिन्हें हम बुजुर्ग कह सकते हैं, उनकी ज़रूरत नहीं है, ऐसा कहना उचित नहीं है। बुजुर्ग भी देश के विकास के लिए उतने ही ज़रूरी है जितने युवा। इन दोनों के ताल-मेल से बड़े से बड़े कार्य को जल्द से जल्द और एक बेहतर तरीके से कर सकते हैं। बड़े-बुजुर्ग अपने अनुभव और युवा अपनी ऊर्जा का उपयोग कर देश को नई उपलब्धि दिला सकते हैं। पर देश का दुर्भाग्य ही समझो कि युवा और बुजुर्गों के ताल-मेल में कमी आ रही है। हमारी संस्कृति जिसमें इन युवाओं को अपने बुजुर्गों से सीखना चाहिए वे उनसे दूर होते जा रहे हैं। आज का आधुनिकीकरण दोनों वर्गों में जैसे दीवार बन गया हो।

प्रश्न 4: **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** (**1x15=15**)

1. संसदीय राजभाषा समिति सर्वप्रथम कब गठित की गई थी?
2. संविधान के अनुच्छेद 343 (2) के अनुसार कितने कालावधि तक के लिए संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी का प्रयोग किया जाना सुनिश्चित किया गया था?
3. हिन्दी के प्रयोग के पुनरीक्षण के लिए संसदीय राजभाषा समिति की कुल कितनी उप समितियां बनाई गई है?
4. संसदीय राजभाषा समिति की कौन सी उप समिति द्वारा वित्त मंत्रालय का निरीक्षण किया जाता है?
5. संसद में प्रयोग होने वाली भाषा का प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया है ?
6. संविधान के किस अनुच्छेद में हिन्दी भाषा के विकास के लिए निर्देश दिये गए है?
7. संविधान की आठवीं अनुसूची संबंधी प्रावधान किस अनुच्छेद में है?
8. उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में तथा अधिनियमों, विधयकों आदि में प्रयोग की जाने वाली भाषा का प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में दिया गया है?
9. एक राज्य और दूसरे राज्य के बीच अथवा राज्य और संघ के बीच संचार के लिए राजभाषा का प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया है?
10. संसद के दोनों सदनों दवारा राजभाषा संकल्प कद पारित किया गया था ?

11. राजभाषा आयोग की सिफारिशों पर विचार करने के लिए गठित समिति के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
12. संविधान की आठवीं अनुसूची में मैथिली, बोड़ो, डोंगरी और संथाली भाषा को किस वर्ष जोड़ा गया ?
13. राजभाषा अधिनियम कब पारित हुआ?
14. राजभाषा अधिनियम को क्या कहा जा सकेगा?
15. राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) कब से लागू हुआ?

प्रश्न 5:

(**क**) **निम्नलिखित वाक्यांशों को अंग्रेजी में लिखें**। **(10)**

1. यह सुनिश्चित किया जाए कि इसके अंतर्गत जारी सभी कागजात जैसे सामान्य आदेश, अनुदेश,परिपत्र, ज्ञापन, प्रशासनिक रिपोर्ट एवं अन्य,प्रेस विज्ञप्तियां, विज्ञापन, लाइसेंस, परमिट, टेंडर नोटिस/ टेंडर फॉर्म,संविदा एवं करार, संसद के समक्ष प्रस्तुत किए जाने वाले कागजात द्विभाषीरूप में जारी किए जाएं |
2. यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी रबड़ की मोहरें, नामपट्ट, साइनबोर्ड, सील, पत्रशीर्ष द्विभाषी रूप में तैयार किए जाएं| ऊपर हिन्दी तथा उसके नीचे अंग्रेजी लिखा जाए|
3. यह सुनिश्चित किया जाए कि "क" एवं "ख" क्षेत्रों को भेजे जाने वाले लिफाफों पर हिंदी में पते लिखे जाएं|
4. भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा समय समय पर जारी किए जाने वाले आदेशों के अनुपालन में सभी अनुभाग "क" "ख" एवं "ग" क्षेत्रों में स्थित कार्यालयों को हिंदी में पत्राचार सुनिश्चित करें|
5. यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सेवा पंजी में प्रविष्टियां हिंदी मे की जाए|

(**ख**) **निम्नलिखित वाक्यांशों को हिंदी में लिखें**। **(10)**

1. It should be ensured that replies of the letters received in Hindi are to be given in Hindi only, as per Official Language Rule 5.
2. It should be ensured that all the computers available in the Office, have the facility to work in Hindi and Unicode facility is available in computers.
3. It should be ensured that while inspecting the office, a paragraph regarding the progress report of the official language must be included in the inspection note.
4. It should be ensured that the meeting of the Official Language Implementation Committee is organized regularly in every quarter.
5. It should be ensured that the subjects on file covers and registers in all offices are written bilingually or in Hindi only.

प्रश्न 6: **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यांशों को शुद्ध करे**। (**1x15=15**)

1. रीना बहुत सुन्दर दीखता है।
2. उसे हमेशा सही बोलना चाहिए थी।
3. मोहन आज कॉलेज से अनुपस्थित है।
4. वह मार्केट में फल लेने गया था।
5. यह हमारी क्लास है।
6. मैं अपनी बात का स्पष्टीकरण करने के लिए तैयार हूँ ।
7. हिल्लोल जरूर पैदा करते हैं शिरीष के फूल मेरे मानस में ।
8. वह बहुत जल्दी वापस लौट आया ।
9. परीक्षा की प्रणाली बदलना चाहिए।
10. हिन्दी की शिक्षा अनिवार्य कर दिया गया।
11. हमारे सामानों का ख्याल रखिएगा।
12. वे विविध विषय से परिचित हैं।
13. इस विषय पर एक भी अच्छी पुस्तकें नहीं है।
14. हिन्दी के प्रचार आज-भी बड़े-बड़े संकट हैं।
15. सीता ने गीत की दो-चार लड़ियाँ गायीं।

प्रश्न 7: **"स्वाभिमान और गर्व की भाषा है हिन्दी" विषय पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें |** (**10**)

*****